



ILP 2022- Decoding Prelims Syllabus



विषय-सामग्री

इस document के बारे में	3
भारतीय राजव्यवस्था	4
भूगोल	10
अर्थव्यवस्था	20
प्राचीन भारत	29
मध्यकालीन भारत	35
आधुनिक भारत	37
कला एवं संस्कृति	42
पर्यावरण	44

इस document के बारे में

इस document में राजव्यवस्था, भूगोल, अर्थव्यवस्था, इतिहास और पर्यावरण जैसे विषयों के लिए UPSC प्रारंभिक परीक्षा पाठ्यक्रम से संबंधित टॉपिक्स का व्यापक वर्गीकरण है। इससे आपका विषय संबंधी बोझ अवश्य कम होगा। हर समय इसका प्रिंट आउट अपने पास रखें और इसमें नए प्रासंगिक टॉपिक जोड़ते रहें।

ध्यान दें कि ये टॉपिक संपूर्ण नहीं हैं बल्कि सांकेतिक हैं। कई उप-अनुभाग भी हैं जिन्हें हम ILP-2022 कार्यक्रम के अंतर्गत सीखेंगे और कवर करेंगे। यह document आपकी यात्रा को थोड़ा कम बोझिल बनाने की दिशा में एक कदम है।

नोट- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित टॉपिक निश्चित नहीं होते हैं क्योंकि वे करेंट अफेयर्स का प्रमुख हिस्सा होते हैं। इसके कवरेज के बारे में चिंता न करें, इसे ILP के दौरान प्रभावी ढंग से कवर किया जाएगा।

भारतीय राजव्यवस्था - Broad Topics



मूल बातें

- ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
- संविधान का निर्माण
- संविधान की मुख्य विशेषताएं
- संविधान की प्रस्तावना
- संघ और उसके क्षेत्र
- नागरिकता
- संविधान: क्यों और कैसे?
- संविधान एक जीवित दस्तावेज के रूप में
- संविधान का दर्शन
- भारतीय संविधान में अधिकार
- कार्यपालिका, विधायिका, न्यायपालिका
- संघवाद, स्थानीय सरकारें
- चुनाव और प्रतिनिधित्व

मौलिक अधिकार

- मौलिक अधिकारों की विशेषताएं
- अनुच्छेद 14-18: समानता का अधिकार
- अनुच्छेद 19-22: स्वतंत्रता का अधिकार
- अनुच्छेद 25 - 28: धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
- अनुच्छेद 29 और 30: सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार
- सशस्त्र बल और मौलिक अधिकार
- विशेष परिस्थितियों में मौलिक अधिकारों का प्रभावित होना
- मौलिक अधिकारों की आलोचना
- मौलिक अधिकारों का महत्व

राज्य नीति के निदेशक सिद्धांत (डीपीएसपी)

- निदेशक सिद्धांतों की विशेषताएं
- डीपीएसपी की आलोचना
- निर्देशक सिद्धांतों का महत्व
- मौलिक अधिकारों और डीपीएसपी के बीच अंतर्संबंध
- डीपीएसपी का कार्यान्वयन

मौलिक कर्तव्य

- अनुच्छेद 51ए में मौलिक कर्तव्यों की सूची
- FD की विशेषताएं
- FD की आलोचना
- FD का महत्व
- मौलिक अधिकारों और मौलिक कर्तव्यों के मध्य संबंध

संविधान में संशोधन

- अनुच्छेद 368 भाग XX में यथा निर्धारित संशोधन की प्रक्रिया
- संशोधन के प्रकार
- 'मूल संरचना' की सामग्री
- संशोधन प्रक्रिया की आलोचना

संविधान की मूल संरचना (BASIC STRUCTURE)

- संशोधन और मौलिक अधिकार
- मूल संरचना के तत्व
- मूल संरचना का महत्व
- समालोचना

संसदीय प्रणाली

- संसदीय शासन प्रणाली क्या है?
- संसदीय प्रणाली के गुण और दोष
- भारत ने राष्ट्रपति के बजाय संसदीय प्रणाली को क्यों अपनाया?

संघीय प्रणाली

- विशेषताएं
- हमारे संविधान निर्माता भारत के लिए संघीय व्यवस्था क्यों अपनाए?
- संविधान की संघीय विशेषताएं
- भारतीय संविधान की एकात्मक विशेषताएं
- संघीय व्यवस्था का महत्वपूर्ण मूल्यांकन
- भारतीय परिप्रेक्ष्य में सहकारी संघवाद

केंद्र-राज्य संबंध

- विधायी संबंध
- प्रशासनिक संबंध
- वित्तीय संबंध
- 15वें वित्त आयोग का Terms of reference: मुद्दे
- केंद्र-राज्य संबंधों में तनाव के क्षेत्र

अंतरराज्यीय संबंध

- अंतरराज्यीय जल विवाद
- अंतरराज्यीय नदी जल विवाद (संशोधन) विधेयक 2017
- अंतरराज्यीय परिषदें
- सार्वजनिक अधिनियम, अभिलेख और न्यायिक कार्यवाही
- अंतरराज्यीय व्यापार और वाणिज्य
- क्षेत्रीय परिषदें (Zonal Councils)

आपातकालीन प्रावधान

- राष्ट्रीय आपातकाल
- राष्ट्रपति शासन
- वित्तीय आपातकाल
- वित्तीय आपातकाल के प्रभाव

भारतीय संसद

- दो सदनों की संरचना
- संसद का सत्र
- संसद में कार्यालय

- प्रस्ताव
- संसदीय प्रक्रियाएं
- धन विधेयक
- संसद में बजट
- कोष के प्रकार
- राज्य सभा की स्थिति
- संसदीय विशेषाधिकार
- बहुमत के प्रकार
- संसदीय समितियां
- संसदीय मंच

केन्द्रीय सरकार

- भारत के राष्ट्रपति
- उप-राष्ट्रपति
- भारत के प्रधान मंत्री
- केंद्रीय मंत्रिपरिषद
- कैबिनेट समितियां
- कैबिनेट सचिवालय
- उच्चतम न्यायालय

राज्य विधायिका

- राज्यपाल
- मुख्यमंत्री
- राज्य सरकार में मंत्रिपरिषद
- राज्य विधानमंडल में विधायी प्रक्रिया
- उच्च न्यायालय

गैर-संवैधानिक निकाय

- नीति आयोग
- नीति आयोग और योजना आयोग के बीच अंतर
- आकांक्षी जिला कार्यक्रम
- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी)
- एनएचआरसी का समालोचनात्मक मूल्यांकन assessment
- एनएचआरसी और सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी)
- राज्य मानवाधिकार आयोग (एसएचआरसी)
- केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी)
- राज्य सूचना आयोग (एसआईसी)

- केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC)
- केंद्रीय जांच ब्यूरो
- लोकपाल और लोकायुक्त

दबाव समूह / गैर सरकारी संगठन

- राजनीतिक दल और दबाव समूह के बीच अंतर
- भारतीय दबाव समूह की विशेषताएं
- दबाव समूहों के प्रकार
- भारत में प्रमुख दबाव समूह
- दबाव समूह के रूप में मीडिया
- भारत में दबाव समूह की भूमिका
- दबाव समूहों की आलोचना

गैर सरकारी संगठन

- प्रसिद्ध एनजीओ
- एनजीओ की कार्यप्रणाली संबंधी मुद्दे

स्थानीय सरकार

- पंचायती राज व्यवस्था
- नगर निगम

संवैधानिक निकाय

- चुनाव आयोग
- लोक सेवाएं
- संघ लोक सेवा आयोग
- राज्य लोक सेवा आयोग
- वित्त आयोग
- अनुसूचित जाति के लिए राष्ट्रीय आयोग
- अनुसूचित जनजाति के लिए राष्ट्रीय आयोग
- राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग
- भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए विशेष अधिकारी
- भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक
- भारत के महान्यायवादी
- महाधिवक्ता

महत्वपूर्ण विषय

- सहकारी समितियां

- राजभाषा
- न्यायाधिकरण
- चुनाव
- चुनाव प्रक्रिया
- राजनीतिक दल
- लोकतंत्र में सिविल सेवाओं की भूमिका

भूगोल -Broad Topics



पृथ्वी और ब्रह्मांड

भू-आकृति विज्ञान

- पृथ्वी के धरातल के चार बृहद मंडल (1. वायुमंडल 2. जलमंडल 3. थलमंडल 4. जीवमंडल)
- भौतिक भूगोल
- भौतिक भूगोल में विभिन्न प्रणाली

पृथ्वी का आंतरिक भाग

- प्रत्यक्ष तरीके

- अप्रत्यक्ष तरीके
- भूकंपीय तरंग मॉडल

रॉक सिस्टम/ चट्टान प्रणाली

- आग्नेय चट्टानें
- अवसादी चट्टानें
- रूपांतरित चट्टानें

महाद्वीपों का आकार

- महाद्वीपीय विस्थापन
- सागरीय नितल का प्रसार
- प्लेट विवर्तनिक सिद्धांत
- महाद्वीपीय भ्रंश घाटियाँ
- अभिसरण सीमाएं
- महासागरीय-महाद्वीपीय अभिसरण
- महासागरीय-महाद्वीपीय अभिसरण
- महाद्वीपीय- महाद्वीपीय अभिसरण

बलों के प्रकार

- अंतर्जात बल
- बहिर्जात बल

पृथ्वी की गति और भू-आकृतियाँ

- पर्वतों के प्रकार
- ब्लॉक पर्वत
- ग्रैबेन या रिफ्ट वैली/ भ्रंश घाटी
- अवशिष्ट पर्वत

ज्वालामुखी

- ज्वालामुखी पर्वत
- पठारों के प्रकार
 - ज्वालामुखीय पठार
 - विच्छेदित पठार

मैदानों के प्रकार

- संरचनात्मक मैदान
- निक्षेपी मैदान

- ज्वालामुखीय गतिविधियों से जुड़ी भू-आकृतियाँ
- आग्नेय अंतर्वेधी भू-आकृतियाँ
- सिल्
- डाइक
- ज्वालामुखियों की उत्पत्ति
 - सक्रिय - हाल के समय में बार-बार विस्फोट
 - सुसुप्त - भविष्य में विस्फोट हो सकता है
 - विलुप्त - ज्वालामुखी की सभी विशेषताएं हैं लेकिन ऐतिहासिक काल में विस्फोटित नहीं हुए हैं।
- ज्वालामुखीय शंकु
- राख शंकु
- समग्र शंकु
- काल्डेरा कोन या ज्वालामुखी शंकु
- कुछ ज्वालामुखी विस्फोट
 - माउंट विसुवियस
 - माउंट क्राकाताओ
 - माउंट पीली
- विश्व में ज्वालामुखियों का वितरण
- गीजर और हॉट स्प्रिंग्स
- गीजर
- गर्म पानी का झरना

अन्य भू-आकृतियाँ

- जल चैनल द्वारा बनाई गई फ्लुवियल लैंडफॉर्म या लैंडफॉर्म (जलीय भू-आकृतियाँ)
- अपक्षयी भू-आकृतियाँ
- निक्षेपण भू-आकृतियाँ
- हवा द्वारा निर्मित ऐओलियन भू-आकृतियाँ या भू-आकृतियाँ
 - अपरदन भू-आकृतियाँ
 - निक्षेपण भू-आकृतियाँ
- हिमनद स्थलरूप
 - अपरदन भू-आकृतियाँ
 - निक्षेपण भू-आकृतियाँ
- वायवीय भू-आकृतियाँ
 - अपरदन स्थलाकृतियाँ
 - निक्षेपण भू-आकृतियाँ

- कार्स्ट भू-आकृतियाँ

भूकंप

- भूकंप के परिणाम
- कुछ बड़े भूकंप
- सुनामी

बाह्य बलों के कारण होने वाली प्रक्रियाएं

- अपक्षय
 - भौतिक अपक्षय
 - रासायनिक अपक्षय
 - जैविक अपक्षय
- भू-संचलन
- भूस्खलन
- अपरदन
- अपरदन के कारक

वायुमंडल

- वायुमंडल की संरचना
- वायुमंडल की परतें
- सूर्यातप
- गोधूलि की अवधारणा (सुबह और शाम)

पृथ्वी का सौर विकिरण बजट

- वायु तापमान के पैटर्न का मानचित्रण
- तापमान का वार्षिक परास
- तापमान का दैनिक परास
- भूमि और जल का तापमान

वैश्विक ऊर्जा हस्तांतरण

- वायुमंडलीय परिसंचरण
- महासागरीय परिसंचरण
- दाब और वायु का प्रभाव
- कोरिओलिस प्रभाव और पवनें

चक्रवात और प्रतिचक्रवात

- वायु राशियाँ

- वाताग्र
- समशीतोष्ण चक्रवात
- ऊष्णकटिबंधी चक्रवात
- चक्रवात, हरीकेन, टाइफून

वायुमंडलीय परिसंचरण

- मध्याह्न परिसंचरण
- जेट धाराएं
- स्थानीय पवनें
- तापमान व्युत्क्रमण

बादल निर्माण

- बादलों के प्रकार
- कोहरा
- ओस
- वर्षा के रूप
- वर्षा के प्रकार

जलवायु विज्ञान और समुद्र विज्ञान

कोपेन जलवायु वर्गीकरण प्रणाली

ग्रीष्म, आर्द्र भूमध्यरेखीय जलवायु

- वितरण
- जलवायु
- वनस्पति
- भूमध्यरेखीय क्षेत्रों में जीवन और विकास
- भूमध्यरेखीय क्षेत्रों के विकास को प्रभावित करने वाले कारक

उष्णकटिबंधीय मानसून और उष्णकटिबंधीय समुद्री जलवायु

- वितरण
- उष्णकटिबंधीय मानसून भूमि में जलवायु की स्थिति
- उष्णकटिबंधीय मानसून जलवायु के मौसम
- पीछे हटने वाला/ लौटता मानसून (The Retreating Monsoon)
- उष्णकटिबंधीय समुद्री जलवायु
- प्राकृतिक वनस्पति
- मानसून भूमि में कृषि विकास

सवाना या सूडान तुल्य जलवायु

- वितरण
- सूडान प्रकार की जलवायु
- प्राकृतिक वनस्पति
- पशु जीवन
- सवाना में मानव जीवन
- सवाना की समस्याएं, संभावनाएं और विकास

गर्म मरुस्थल और मध्य अक्षांश मरुस्थलीय जलवायु

- वितरण
- जलवायु
- मध्य अक्षांश के रेगिस्तानों में जलवायु की स्थिति
- रेगिस्तानी वनस्पति
- अर्थव्यवस्था

उष्ण शीतोष्ण पश्चिमी मार्जिन (भूमध्यसागरीय) जलवायु

- वितरण
- जलवायु
- प्राकृतिक वनस्पति
- भूमध्यसागरीय क्षेत्रों का आर्थिक विकास

समशीतोष्ण महाद्वीपीय (स्टेपी) जलवायु

- वितरण
- जलवायु
- प्राकृतिक वनस्पति
- अर्थव्यवस्था
- उष्ण शीतोष्ण पूर्वी सीमांत जलवायु
- वितरण
- जलवायु
- प्राकृतिक वनस्पति
- वन्य जीव
- मानव बस्ती
- अर्थव्यवस्था

शीत शीतोष्ण पश्चिमी मार्जिन (ब्रिटिश तुल्य) जलवायु

- वितरण
- जलवायु
- प्राकृतिक वनस्पति

- अर्थव्यवस्था

शीत शीतोष्ण महाद्वीपीय जलवायु

- वितरण
- जलवायु
- प्राकृतिक वनस्पति
- अर्थव्यवस्था

शीत शीतोष्ण पूर्वी मार्जिन (लॉरेंशियन तुल्य)

- वितरण
- जलवायु
- प्राकृतिक वनस्पति
- अर्थव्यवस्था

आर्कटिक या ध्रुवीय जलवायु

- वितरण
- जलवायु
- प्राकृतिक वनस्पति
- अर्थव्यवस्था

समुद्र विज्ञान

- महासागर
- महासागरीय पर्वत
- महाद्वीपीय शेल्फ
- महाद्वीपीय ढाल
- गहरे सागरीय मैदान
- महासागर की गहराइयाँ या खाइयाँ
- महासागर तल के महासागरीय निक्षेप
- लघु पर्वत श्रृंखलाएं
- महासागरीय लवणता
- महासागरीय लवणता को प्रभावित करने वाले कारक
- सागरीय जल का तापमान
- सागरीय धाराएं
- महत्वपूर्ण महासागरीय धाराएं
- महासागरीय धाराओं के कारण
- ज्वार
- ज्वार के प्रकार

भारतीय भूगोल

- भारत की फिजियोग्राफी/ भू-आकृति
- हिमालय
- उत्तरी उपजाऊ मैदान
- प्रायद्वीपीय पठार
- भारतीय मरुस्थल
- भारतीय तटीय मैदान
- द्वीप
- जल निकासी व्यवस्था
- ड्रेनेज पैटर्न
- असंगत ड्रेनेज पैटर्न
- जलनिकासी बेसिन
- भारत में ड्रेनेज बेसिन
- हिमालयीय ड्रेनेज
- महत्वपूर्ण नदी प्रणालियां
- प्रायद्वीपीय जल निकासी
- नदी तंत्र
- भारत में वाटरशेड विकास
- भारत का नदी जोड़ने का कार्यक्रम
- अंतर्देशीय जलमार्ग
- भारतीय मिट्टी

भारतीय जलवायु

- जलवायु और मौसम
- भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक
- विभेदक ताप का सिद्धांत (Theory of Differential Heating)
- फ्लोहन की मानसून गतिशीलता की अवधारणा
- भारतीय मानसून को प्रभावित करने वाले कारक
- जेट धाराएं
- अल-नीनो और ला-नीना घटना
- तिब्बत के पठार की भूमिका
- मैडेन-जूलियन ऑसिलेशन
- EQUINO - भूमध्यरेखीय हिंद महासागर दोलन
- भारतीय मानसून के बारे में तथ्य
- पूर्वोत्तर मानसून (मानसून का पीछे हटना) और उसका प्रभाव
- पश्चिमी विक्षोभ और उत्तर-भारत में सर्दियों की वर्षा

- भारत में मौसम
- शीत ऋतु
- ग्रीष्म ऋतु
- दक्षिण-पश्चिम मानसून
- मानसून का पीछे हटना
- भारत में वर्षा वितरण
- भारत की जलवायु एकता

मानव और आर्थिक भूगोल- कृषि और सिंचाई

- फसलों के प्रकार
- भूमि उपयोग
- फसल पैटर्न और प्रणाली
- सतत कृषि
- सिंचाई
- कृषि और संबद्ध उद्योग

संसाधन

- खनिज स्रोत
- ऊर्जा संसाधन
- कोयला
- पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस
- तेल व गैस उद्योग
- भारतीय सामरिक पेट्रोलियम रिजर्व
- पाइपलाइन
- गैस हाइड्रेट्स
- अक्षय ऊर्जा संसाधन
- भारत में ऊर्जा और बिजली परिदृश्य

भारतीय उद्योग

- सीमेंट उद्योग
- लौह और इस्पात उद्योग
- पर्यटन/आतिथ्य उद्योग
- सेवा उद्योग
- कपड़ा उद्योग
- निर्माण उद्योग
- स्वास्थ्य सेवा उद्योग
- रत्न और आभूषण उद्योग

- दूरसंचार उद्योग
- रिटेल उद्योग
- शिक्षा और प्रशिक्षण उद्योग
- सूचना प्रौद्योगिकी और आईटी-सक्षम सेवा उद्योग
- औषधीय उद्योग

स्थान मानचित्रण

- विश्व के प्रसिद्ध समुद्र/ सागर
- विश्व के जलडमरूमध्य
- खाड़ियाँ
- नदियाँ
- पर्वतीय प्रणाली
- मरुस्थल
- समाचार में स्थान

विश्व संसाधन

- उत्तरी अमेरिका
- दक्षिण अमेरिका
- यूरोप
- अफ्रीका
- ऑस्ट्रेलिया/ओशिनिया
- एशिया

अर्थव्यवस्था -Broad Topics



- भारतीय अर्थव्यवस्था- एक परिप्रेक्ष्य- स्वतंत्रता-पूर्व भारत
- भारतीय अर्थव्यवस्था- स्वतंत्रता पश्चात विकास एवं योजना
- आर्थिक प्रणालियों के प्रकार
- पंचवर्षीय योजना का आगमन
- आर्थिक योजना के प्रकार
- भारतीय पंचवर्षीय योजनाओं का प्रदर्शन
- समावेशी विकास पर ग्यारहवीं योजना की उपलब्धियां
- 12वीं पंचवर्षीय योजना का आकलन
- हरित क्रांति
- उद्योग और व्यापार
- औद्योगिक नीति संकल्प 1956 (Ipr 1956)
- व्यापार नीति—आयात प्रतिस्थापन

आर्थिक सुधार

- उदारीकरण
- सेवा क्षेत्र- वास्तविक प्रमुख उद्योग
- निजीकरण

- विनिवेश की अवधारणा
- एयर इंडिया का विनिवेश
- वैश्वीकरण
- भारतीय अर्थव्यवस्था का समग्र मूल्यांकन
- भारतीय अर्थव्यवस्था पर एलपीजी नीति की सीमाएं
- मेक इन इंडिया
- राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017
- समेकित एफडीआई नीति 2017
- एमएसएमई का नया वर्गीकरण

गरीबी और विकास संबंधी मुद्दे

- वर्तमान गरीबी रेखा का आकलन करने के लिए एक केस स्टडी
- सतत गरीबी में कमी के लिए प्रमुख आवश्यकताएं
- जनसंख्या और संबंधित मुद्दे
- आने वाले दशक में भारत की जनसंख्या वृद्धि में पांच आश्चर्यजनक रुझान

महत्वपूर्ण शब्दावली और अवधारणाएं

- भुगतान संतुलन
- नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर)
- सांविधिक तरलता अनुपात (एसएलआर)
- उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई)
- थोक मूल्य सूचकांक (WPI)
- राजकोषीय घाटा
- मुद्रास्फीति
- मुद्रास्फीति के प्रकार
- मौद्रिक नीति
- फिलिप्स कर्व
- लाफ़र वक्र
- एंजेल वक्र
- लोरेन्ज वक्र और गिनी गुणांक
- दुख सूचकांक (Misery Index)
- व्यापार में बाधाएं
- गैर-टैरिफ व्यापार बाधाएं
- अपस्फीति
- विशेष आहरण अधिकार

मैक्रोइकॉनॉमिक्स/ समष्टि अर्थशास्त्र

राष्ट्रीय आय

- राष्ट्रीय आय की गणना
- उत्पादन विधि या मूल्य वर्धित विधि
- आय विधि
- व्यय विधि
- कुछ समष्टि आर्थिक सूचकांक
- इलास्टिसिटी/ लोच, एंजेल कर्व और एंगेल लॉ/एंजेल का लोच सिद्धांत
- आर्थिक सर्वेक्षण की मुख्य बातें
- टैक्स-टू-जीडीपी अनुपात

मुद्रास्फीति

- मुद्रास्फीति के प्रमुख प्रकार
- मुद्रास्फीति - खराब या अच्छी?
- भारत और पूर्व- मुद्रास्फीति
- मुद्रास्फीति को मापना
- मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के उपाय?
- जीडीपी डिफ्लेटर

भारतीय वित्तीय बाजार

मुद्रा

- मुद्रा की आपूर्ति
- भारतीय मुद्रा बाजार

भारतीय रिजर्व बैंक

- आरबीआई के कार्य
- मौद्रिक नीति समझौता
- ऋण नियंत्रण के तरीके

भारत में बैंकिंग

- भारत में बैंकिंग का राष्ट्रीयकरण और विकास
- भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी)
- गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी)
- वित्तीय क्षेत्र में सुधार
- बैंकिंग क्षेत्र में सुधार
- पीएसएल (प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को ऋण)
- गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए)

- सरफासी अधिनियम, 2002
- विलफुल डिफॉल्टर
- भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम
- पूंजी पर्याप्तता अनुपात
- बेसल समझौते
- परियोजना सशक्त
- क्रेडिट परामर्श
- एटीएम के लेबल
- निधि (Nidhis)
- उर्जित पटेल समिति
- नचिकेत मोर समिति
- लघु एवं भुगतान बैंक
- व्यापार मित्र
- यूनिवर्सल पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई)
- बैंकों का एएलएम (परिसंपत्ति-देयता प्रबंधन)
- अनिवासी भारतीय जमा (एनआरआई जमा)

महत्वपूर्ण अवधारणाएं

- मर्चेन्ट बैंक
- वेंचर कैपिटल फंड
- स्टॉक ब्रोकिंग कंपनियां
- इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर- ईएफटी
- केवाईसी मानदंड
- दीर्घकालीन सिंचाई कोष
- भारत में भुगतान और निपटान प्रणाली: विजन-2018
- पीयर टू पीयर लेंडिंग
- किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी)
- इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक
- घरेलू व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण बैंक (डी-एसआईबी)
- मोबाइल मनी आइडेंटिफायर (एमएमआईडी)
- थोक और दीर्घकालिक वित्त (WLTF) बैंक
- वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद
- लेटर ऑफ अंडरटेकिंग (एलओयू)
- स्विफ्ट

सरकारी बजट

- सरकारी बजट क्या है?

- बजट के मुख्य तत्व
- सरकारी बजट के उद्देश्य
- सरकारी बजट के घटक
- घाटा वित्तपोषण
- बजट के प्रकार
- संतुलित और असंतुलित बजट
- राजकोषीय नीति
- राजकोषीय समेकन
- वित्तीय प्रेरक
- कर व्यय
- चालू खाता घाटा
- भारत की वर्तमान स्थिति
- ऋण शोधन निधि

संवृद्धि एवं विकास

- आर्थिक संवृद्धि की अवधारणा
- आर्थिक विकास की अवधारणा

ग्रामीण विकास

- ग्रामीण विकास की अवधारणा
- विकास के लिए केंद्रीय बजट 2021-22

संसाधनों का विचलन

- प्राकृतिक संसाधनों का विचलन
- मानव संसाधन विचलन
- वित्तीय संसाधन विचलन

समावेशी विकास तथा इससे उत्पन्न होने वाले मुद्दे

- समावेशी विकास क्या है?
- भारत में समावेशी विकास की आवश्यकता
- भारत में रोजगार और समावेशी विकास: उभरता हुआ पैटर्न और परिप्रेक्ष्य
- रोजगार का अनौपचारिकीकरण, 'कामकाजी गरीब' और बहिष्करण
- समस्या का समाधान
- विशेष रोजगार कार्यक्रमों की भूमिका
- पूंजीवाद और समावेशी विकास

भारत में बाहरी क्षेत्र

- विदेशी मुद्रा भंडार
- विदेशी कर्ज
- निश्चित मुद्रा विनिमय व्यवस्था
- अस्थायी/ फ्लोटिंग मुद्रा विनिमय व्यवस्था
- प्रबंधित विनिमय दरें
- मुद्राओं की स्थिरता
- भारत में विनिमय दर: पृष्ठभूमि
- मूल्यहास (Depreciation)
- अवमूल्यन
- भुगतान संतुलन (बीओपी)
- व्यापार संतुलन
- चालू खाता
- पूंजी खाता
- परिवर्तनीयता
- भारत में परिवर्तनीयता
- चालू खाता परिवर्तनीयता
- पूंजी खाता परिवर्तनीयता
- NEER और REER
- दुर्लभ/ कठोर मुद्रा
- सॉफ्ट करेंसी
- गर्म मुद्रा
- सस्ती मुद्रा
- विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड)
- GAAR: सामान्य परिहार-विरोधी नियम
- विदेश व्यापार को बढ़ावा देने के लिए नए कदम
- नई विदेश व्यापार नीति

भारत में सार्वजनिक वित्त

भारत में कर संरचना

- प्रत्यक्ष कर
- अप्रत्यक्ष कर
- जीएसटी परिषद
- कर व्यय
- कराधान के तरीके
- 14वां वित्त आयोग
- भारत में प्रतिभूति बाजार

- प्राथमिक और द्वितीयक बाजार
- शेयर बाजार
- भारत में प्रतिभूति बाजार को नियंत्रित करने के लिए कानून
- प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, 1956
- कंपनी अधिनियम, 1956
- कंपनी अधिनियम, 2013
- भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी)
- निक्षेपागार अधिनियम, 1996
- धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002
- वायदा बाजार आयोग
- विदेशी निवेश
- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई)
- विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई)
- विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई)
- योग्य विदेशी निवेशक (क्यूएफआई)
- पार्टिसिपेटरी नोट्स (पी-नोट्स)

भारत में बीमा

- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई)
- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेबीवाई)
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना (आरएसबीवाई)
- अटल पेंशन योजना (APY)
- वरिष्ठ पेंशन बीमा योजना 2017 (वीपीबीवाई 2017)
- बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (IRDA)
- सामाजिक सुरक्षा और बीमा का महत्व
- भारत में बीमा क्षेत्र का विश्लेषण

महत्वपूर्ण शब्दावली

- हेज फंड
- प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ)
- एंजेल निवेशक और उद्यम पूंजीपति
- अनियमित जमा योजना विधेयक, 2018
- GSTIN
- ई-वे बिल
- जीएसटी के तहत ई-वॉलेट योजना
- कर मामलों में वित्तीय खाता जानकारी के स्वचालित आदान-प्रदान के लिए मानक
- एंजेल कर

- बेनामी लेनदेन (निषेध) संशोधित अधिनियम, 2016
- अग्रिम मूल्य निर्धारण करार (एपीए)
- बजट: राजकोषीय प्रबंधन पर मुख्य तथ्य
- कर उछाल
- राजस्व तटस्थ दर (आरएनआर)

अंतरराष्ट्रीय संबंध और आर्थिक संगठन

- भारत-अमेरिका
- भारत-रूस
- भारत-जापान
- भारत-पश्चिम एशिया
- भारत-इजरायल
- भारत-ईरान
- शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ)
- भारत-अफ्रीका
- हिंद महासागर क्षेत्र
- आसियान
- एक्ट ईस्ट पॉलिसी
- क्वाड ग्रुपिंग
- भारत-यूरोपीय संघ
- अंतरराष्ट्रीय संगठन
- अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ)
- विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ)
- विश्व बैंक
- विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ)
- एशियाई विकास बैंक
- ग्रेटर मेकांग उपक्षेत्र (जीएमएस)
- एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (एआईआईबी)
- एशिया - प्रशांत महासागरीय आर्थिक सहयोग
- एशिया प्रशांत व्यापार समझौता (एपीटीए)
- ब्रिक्स
- वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ)
- अंतरराष्ट्रीय निपटान के लिए बैंक (बीआईएस)
- पुनर्निर्माण और विकास के लिए यूरोपीय बैंक
- जी-7
- संयुक्त राष्ट्र
- आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी)

- अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए)
- ऑस्ट्रेलिया समूह
- वासेनार व्यवस्था
- परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह
- मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था
- रासायनिक हथियारों के निषेध के लिए संगठन (ओपीसीडब्ल्यू)
- परमाणु हथियारों को समाप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय अभियान (आईसीएएन)
- BASIC देश
- अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा मंच (आईईएफ)
- भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास भागीदारी कोष
- सूचना प्रौद्योगिकी समझौता-डब्ल्यूटीओ
- अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (INSTC)
- चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी)

प्राचीन भारत -Broad Topics



भारतीय इतिहास की समयावधि (समयरेखा)

- पाषाण काल
- पुरापाषाण काल
- मध्यपाषाण काल: (10,000 – 4000 ईसा पूर्व)
- नवपाषाण काल: (7000 - 1000 ईसा पूर्व)
- ताम्रपाषाण काल (2500 - 700 ईसा पूर्व)

हड़प्पा संस्कृति: कांस्य युगीन सभ्यता

- प्रसिद्ध स्थल
- नगर योजना और संरचनाएं
- महान स्नानागार
- अन्न भंडार
- पकी हुई ईंटों का उपयोग
- जल निकासी व्यवस्था
- कृषि
- कृषि उपकरण
- सिंचाई
- खाद्यान्न उत्पादन
- जानवरों का पालतू बनाना

- प्रौद्योगिकी
- शिल्प
- कपड़ा
- अन्य शिल्प
- व्यापार
- राजनीतिक संगठन
- धार्मिक परंपराएं
- सिंधु घाटी में पुरुष देवता
- हड़प्पा लिपि
- भार और मापन
- हड़प्पा के बर्तन
- मुहरें
- मूर्तियाँ / आकृतियाँ
- टेराकोटा मूर्तियाँ
- पतन के कारण
- हड़प्पा संस्कृति के उत्तरवर्ती शहरी चरण (1900-1200 ईसा पूर्व)

वैदिक काल

- आरंभिक वैदिक काल (1500 - 1000 ईसा पूर्व)
- ऋग्वेद
- ऋग्वेदिक समाज का व्यवसाय
- राजनीतिक संगठन
- धर्म एवं आस्था
- यज्ञ

आर्यों का आगमन और ऋग्वेद कालीन युग

- मूल आवास और पहचान
- भारत में आर्य
- 10 राजाओं का युद्ध
- जनजातीय राजव्यवस्था
- अधिकारी
- सेना
- आदिवासी और परिवार
- सामाजिक विभाजन
- ऋग्वेदिक देवता
- ऋग्वेदिक देवी

उत्तर वैदिक चरण

- उत्तर वैदिक काल में विस्तार (1000-500 ईसा पूर्व)
- चित्रित धूसर मृदभांड संस्कृति (PGW) स्थल
- रहने का तरीका
- महाभारत
- लौह और उत्तर वैदिक आर्य
- कृषि
- शिल्प
- बस्तियां
- राजनीतिक संगठन
- सभाएं
- क्षेत्र से जुड़ी जनजाति
- राजा का चुनाव
- उत्तराधिकार नियम
- अनुष्ठान
- सेना
- सामाजिक संस्था
- समाज
- परिवार
- महिलाओं की स्थिति
- गोत्र का महत्त्व
- आश्रम
- देवता, अनुष्ठान और दर्शन
- भगवान
- ब्राह्मण और अनुष्ठान
- धर्म और दर्शन

जैन धर्म और बौद्ध धर्म

- उत्पत्ति के कारण
- वर्धमान महावीर और जैन धर्म
- जैन धर्म
- जैन धर्म के सिद्धांत
- दर्शनशास्त्र
- वर्ण व्यवस्था पर जैन धर्म
- जैन धर्म का प्रसार
- दक्षिणी भाग में विस्तार

- अन्य भागों में विस्तार
- जैन धर्म का योगदान
- प्राकृत भाषा में
- अन्य भाषाओं में
- गौतम बुद्ध और बौद्ध धर्म
- स्रोत
- बौद्ध धर्म के सिद्धांत
- शिक्षाएं और सिद्धांत
- प्रसिद्ध बौद्ध परिषदें
- बौद्ध धर्म का प्रभाव
- भारत में बौद्ध धर्म का महत्व
- गांधार कला
- बौद्ध संघ
- बौद्ध धर्म का पतन
- बौद्ध और जैन धर्म- तुलनात्मक अध्ययन

मौर्य साम्राज्य

- संभावित आयाम जिनसे मौर्य वंश पर एक प्रश्न पूछा जा सकता है
- चंद्रगुप्त मौर्य (ग्रीक अभिलेखों में सैंड्रोकोटस/एंद्रोकोटस)
- बिन्दुसार (अमित्रकोटस)
- आजीविक संप्रदाय
- अशोक
- अशोक का धम्म
- अशोक के शिलालेख या अभिलेख
- अर्थशास्त्र
- मौर्य प्रशासन
- इंडिका
- आर्थिक विनियम
- कृषि
- कनेक्टिविटी
- परिवहन
- कराधान प्रणाली
- मुद्रा
- सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन
- दासों की स्थिति
- मौर्य कला
- शाही कला

- लोक कला
- मौर्य साम्राज्य के पतन के कारण
- ब्राह्मणवादी प्रतिक्रिया
- वित्तीय संकट
- दमनकारी नियम
- उत्तर-पश्चिम सीमांत की उपेक्षा और चीन की महान दीवार

मध्य एशियाई संपर्क और उनके परिणाम

- इंडो-यूनानी (बैक्ट्रियन)
- शक (सीथियन - मध्य एशिया)
- पार्थियन (पहलव) - फारस
- कुषाण (युथी जनजाति) - मध्य एशिया
- सातवाहन/आंध्र
- मध्य एशियाई संपर्कों का प्रभाव
- मथुरा कला स्कूल
- गांधार कला स्कूल
- अमरावती कला स्कूल

सातवाहन युग

- राजनीतिक इतिहास
- गौतमीपुत्र शातकर्णी (106-130 ई.)
- वशिष्ठीपुत्र पुलुमयी (130-154 ई.)
- सामाजिक संस्था
- शासन प्रबंध
- धर्म
- वास्तुकला
- भाषा
- उत्तर मौर्य कालीन शिल्प, व्यापार और शहर
- शिल्प
- पूर्वी रोमन साम्राज्य के साथ व्यापार
- विदेशी व्यापार
- मुद्रा अर्थव्यवस्था
- शहरी बस्तियां

संगम युग

- महत्वपूर्ण साहित्यिक अंश
- दो महान महाकाव्य

- संगम साहित्य से ऐतिहासिक जानकारी
- संगम साहित्य
- राजनीतिक इतिहास
- संगम राजव्यवस्था
- संगम समाज
- धर्म
- महिलाओं की स्थिति
- संगम युग की अर्थव्यवस्था

गुप्त काल

- चंद्रगुप्त प्रथम (319-334 ई.)
- समुद्रगुप्त (335-380 ई.)
- चंद्रगुप्त द्वितीय (380 - 415 ई.)
- कुमारगुप्त
- स्कंदगुप्त
- गुप्त प्रशासन
- अर्थव्यवस्था
- सामाजिक विकास
- बौद्ध धर्म और भागवत धर्म
- साहित्य
- कला
- वास्तुकला
- गुप्त काल के दौरान की चित्रकला
- गुप्त साम्राज्य का पतन

हर्ष वर्धन काल

- शासन प्रबंध
- द्वेन सांग

मध्यकालीन भारत - Broad Topics



नए राज्यों का गठन

- नया चरण
- वाकाटक
- चालुक्य
- राष्ट्रकूट
- पल्लव
- चोल

प्रारंभिक मध्यकालीन भारत

- हर्ष की मृत्यु के पश्चात भारत
- राजपूत साम्राज्य
- सिंध पर अरब विजय (712 ई.)
- गजनी का महमूद और उसके आक्रमण
- मुहम्मद गौरी

दिल्ली सल्तनत

- गुलाम वंश (1206 -1290)
- खिलजी राजवंश (1290-1320)
- तुगलक वंश (1320-1414)
- सैय्यद वंश (1414-1451)
- लोदी वंश (1451-1526)
- दिल्ली सल्तनत के अधीन भारत

भक्ति आंदोलन

- सूफीवाद
- दक्षिण भारत के भक्ति संत
- उत्तर भारत के भक्ति संत
- बंगाल के भक्ति संत
- महाराष्ट्र के भक्ति संत
- भक्ति आंदोलन का महत्व

विजयनगर और बहमनी साम्राज्य

- विजयनगर साम्राज्य
- स्रोत
- कृष्ण देव राय (1509 - 1529)
- बहमनी साम्राज्य
- विदेशी यात्री

मुगल साम्राज्य

- बाबर (1526 - 1530)
- हुमायूँ
- सुर शासन (1540-1555)
- अकबर (1556-1605)
- जहांगीर (1605 - 1627)
- शाहजहाँ (1627-1658)
- मुगलों के अधीन भारत
- कला रूप
- दिल्ली सल्तनत वास्तुकला
- लोधी वास्तुकला
- विजयनगर वास्तुकला
- शेर शाह वास्तुकला
- मुगल वास्तुकला

आधुनिक भारत - Broad Topics



मुगल साम्राज्य का पतन

- मुगल साम्राज्य के पतन के कारण
- 18वीं सदी में भारतीय आँकड़े और समाज
- राज्यों की राजव्यवस्था और प्रशासन
- 18वीं सदी में दक्षिण भारतीय राज्य
- 18वीं सदी में उत्तर भारतीय राज्य
- मराठा साम्राज्य का उत्थान और पतन

18वीं शताब्दी में लोगों की सामाजिक और आर्थिक स्थितियाँ

- आर्थिक स्थितियाँ
- सामाजिक स्थिति

यूरोपीय बस्तियों की शुरुआत

- यूरोप और भारत तथा दक्षिण-पूर्व एशिया के मध्य व्यापार
- पुर्तगाली

- डच
- व्यापार में ब्रिटिश प्रवेश
- ईस्ट इंडिया कंपनी के व्यापार और प्रभाव का विकास (1600-1714)
- दक्षिण भारत में आंग्ल-फ्रांसीसी संघर्ष
- बंगाल पर ब्रिटिश अधिकार
- मुख्य परीक्षा संबंधी प्रश्न

भारत में ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार

- लॉर्ड वेलेस्ली के अधीन विस्तार (1798 - 1805)
- सहायक संधि
- सहायक संधि और भारतीय राज्य
- लॉर्ड हेस्टिंग्स के अधीन विस्तार (1813 - 22)
- ब्रिटिश सत्ता का सुदृढ़ीकरण (1818 - 57)
- डलहौजी और विलय की नीति (1848 - 56)
- ब्रिटिश प्रशासनिक और आर्थिक नीति
- ब्रिटिश प्रशासनिक नीति
- ब्रिटिश आर्थिक नीतियां
- धन की निकासी
- परिवहन और संचार के साधनों का विकास
- डाक प्रणाली और टेलीग्राफ
- भू-राजस्व नीति

प्रशासनिक संगठन और सामाजिक-सांस्कृतिक नीति

- ब्रिटिश प्रशासनिक व्यवस्था
- सामाजिक और सांस्कृतिक नीति
- मानवीय उपाय

1857 का विद्रोह

- पूर्व-1857 के विद्रोह
- 1857 के बाद के विद्रोह
- जनजातीय और नागरिक विद्रोह- मुख्य परीक्षा के लिए एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

19वीं सदी के पहले भाग में सामाजिक और सांस्कृतिक जागृति

- सुधार आंदोलन
- महिलाओं की मुक्ति/महिलाओं की बेहतरी के लिए संघर्ष
- जाति आधारित शोषण के खिलाफ लड़ाई
- सामाजिक-सांस्कृतिक सुधार आंदोलनों और उनके नेताओं का अवलोकन

- राजा राम मोहन राय
- ब्रह्मो समाज
- महर्षि देवेन्द्रनाथ टैगोर (1817-1905)
- प्रार्थना समाज
- डेरोजियो और यंग बंगाल
- पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर
- परमहंस मंडली
- सत्यशोधक समाज और ज्योतिबा फुले
- सर्वेन्ट ऑफ इंडिया सोसाइटी
- रामकृष्ण आंदोलन
- दयानंद सरस्वती और आर्य समाज
- सेवा सदन
- श्री नारायण गुरु धर्म परिपालन (एसएनडीपी) आंदोलन
- जस्टिस आंदोलन
- आत्म-सम्मान आंदोलन
- मंदिर प्रवेश आंदोलन
- भारतीय सामाजिक सम्मेलन
- वहाबी/वल्लिउल्लाह आंदोलन
- टीटू मीर का विद्रोह
- फ़राज़ी आंदोलन
- अहमदिया आंदोलन
- अलीगढ़ आंदोलन और सैय्यद अहमद खान
- देवबंद स्कूल
- पारसियों के बीच सुधार आंदोलन
- सिखों में धार्मिक सुधार
- थियोसोफिकल सोसायटी और एनी बेसेंट
- सुधार आंदोलनों का सकारात्मक योगदान
- सुधार आंदोलन के नकारात्मक परिणाम

प्रारंभिक राष्ट्रवाद-1857 से 1906

- लॉर्ड कैनिंग
- लॉर्ड मेयो
- लॉर्ड लिटन
- लॉर्ड रिपन
- लॉर्ड कर्जन
- राष्ट्रवादी आंदोलन
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्ववर्ती

- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
- प्रारंभिक राष्ट्रवादी

राष्ट्रवादी आंदोलन का उग्रवादी चरण

- बंगाल का विभाजन
- स्वदेशी और बहिष्कार
- सूरत विभाजन
- महत्वपूर्ण आयोग और समितियां
- शिक्षा पर वुड्स डिस्पैच (1854)
- बिपिन चंद्र पाल
- प्रसिद्ध संघ

विशेष घटनाएँ

- स्वदेशी चरण
- अखिल भारतीय मुस्लिम लीग
- 1909 का अधिनियम, मॉर्ले-मिंटो सुधार
- क्रांतिकारी आतंकवाद का उदय - चरण 1
- ग़दर पार्टी
- कोमाटा मारू घटना
- भारतीय स्वतंत्रता के लिए बर्लिन समिति
- होम रूल आंदोलन
- कांग्रेस का लखनऊ अधिवेशन – 1916
- 1917 का मोंटेग्यू का वक्तव्य/अगस्त घोषणापत्र
- भारत सरकार अधिनियम - 1919
- गांधीजी का दक्षिण अफ्रीका में प्रवास
- भारतीय नटाल कांग्रेस
- भारतीय एम्बुलेंस कोर
- टॉल्स्टॉय फार्म

भारत में गांधीजी

- चंपारण सत्याग्रह
- अहमदाबाद मिल हड़ताल
- खेड़ा सत्याग्रह
- रॉलेट सत्याग्रह
- जलियांवाला बाग नरसंहार
- हंटर आयोग की रिपोर्ट
- खिलाफत आंदोलन

- असहयोग आंदोलन
- चोरी चौरा घटना
- क्रांतिकारी गतिविधियां
- साइमन कमीशन
- नेहरू रिपोर्ट, 1928
- सविनय अवज्ञा आन्दोलन
- दांडी मार्च
- गांधी इरविन समझौता
- 1931 का कराची अधिवेशन
- सांप्रदायिक पुरस्कार/मैकडोनाल्ड पुरस्कार
- पूना पैक्ट
- भारत सरकार अधिनियम 1935
- द्वितीय विश्व युद्ध की पूर्व संध्या पर कांग्रेस का रुख
- अगस्त ऑफर- अगस्त 1940
- व्यक्तिगत सत्याग्रह
- क्रिप्स मिशन
- भारत छोड़ो आंदोलन 1942
- सी राजगोपालाचारी फॉर्मूला - 1944
- वेवेल योजना, 1945
- कैबिनेट मिशन 1946
- माउंटबेटन योजना - 1947
- भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947
- युद्ध के बाद राष्ट्रीय उभार
- 1945 आईएनए जांच - महत्व
- 1946 RIN विद्रोह - महत्व

स्वतंत्रता पश्चात समेकन

- एकीकरण की प्रक्रिया
- भाषा संबंधी मुद्दा
- भारतीय जनजातीय संबंधी मुद्दे
- अनुच्छेद 15(4): सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक हितों को बढ़ावा देना
- विभाजन के बाद शरणार्थी संकट
- स्वतंत्रता पश्चात युद्ध
- 1947 के बाद साम्प्रदायिकता

कला एवं संस्कृति -Broad Topics



प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास के अंतर्गत कला, वास्तुकला और साहित्य को शामिल किया जाएगा

नृत्य

- भारत का शास्त्रीय नृत्य
- भरतनाट्यम - तमिलनाडु
- कुचिपुड़ी
- कथकली
- कथक
- ओडिसी
- सत्रिय
- मणिपुरी
- मोहिनीअट्टम
- भारत के लोक नृत्य

संगीत

- हिंदुस्तानी संगीत
- कर्नाटक संगीत
- हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत की तुलना
- लोक संगीत
- भारत के संगीत वाद्ययंत्र

मार्शल आर्ट

- गटका

- थांग ता
- परि-खंड

भारत का रंगमंच रूप

- भांड पाथेर (जशिन) - कश्मीर
- स्वांग - हरियाणा
- नौटंकी - उत्तर प्रदेश
- रासलीला
- भवाई - गुजरात
- जात्रा - बंगाल
- भौआना (अंकिया नाट) - असम
- माच - मध्य प्रदेश
- तमाशा - महाराष्ट्र
- दशावतार - कोंकण और गोवा
- कृष्णट्टम - केरल
- मुदियेट्ट - केरल
- थेय्यम - केरल
- कूडियाट्टम - केरल
- यक्षगान - कर्नाटक
- थेरुकुथु - तमिलनाडु
- करयाला- हिमाचल प्रदेश

कठपुतली रूप

- स्ट्रिंग कठपुतली
- दस्ताना कठपुतली
- रॉड कठपुतली: (दस्ताने-कठपुतलियों का विस्तार)
- शैडो कठपुतली/ छाया कठपुतली

संस्थान

- साहित्य अकादमी
- संगीत नाटक अकादमी
- ललित कला अकादमी
- सांस्कृतिक संसाधन और प्रशिक्षण केंद्र
- राज्यों में कला, शिल्प, संगीत, स्मारक

पर्यावरण -Broad Topics



नोट- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित प्रश्न सामान्यतः करेंट अफेयर्स से पूछे जाते हैं (हम इसे विस्तार से कवर करेंगे)

पारिस्थितिकी

- हमें पारिस्थितिकी का अध्ययन करने की आवश्यकता क्यों है?
- वास्तव में 'पारिस्थितिकी' क्या है?
- वातावरण/ पर्यावरण
- पारिस्थितिक संगठन के स्तर
- पारिस्थितिकी तंत्र
- पारिस्थितिकी तंत्र के कार्य

पारिस्थितिकी तंत्र की उत्पादकता

- पारिस्थितिकी तंत्र का वर्गीकरण (प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र)
- पारिस्थितिक वस्तुओं और सेवाओं के लिए खतरे
- बायोम
- जलीय क्षेत्र
- पारिस्थितिकी तंत्र कार्यप्रणाली
- पारिस्थितिक दक्षता
- ट्रॉफिक/ पोषण स्तर और प्रदूषक
- जैविक अंतःक्रिया
- जैव भू-रासायनिक चक्र
- पारिस्थितिकी तंत्र की समस्थिति

- पारिस्थितिकीय अनुक्रमण

स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र

- वन
- वनों का महत्व
- वनों की कटाई
- वनोन्मूलन को कम करने के लिए क्या रणनीतियाँ हैं?
- घास के मैदान
- रेगिस्तान
- टुंड्रा

जलीय पारिस्थितिकी

- "जलीय आवासों की उत्पादकता" को सीमित करने वाले कारक
- झील पारिस्थितिकी
- सुपोषण क्या है?
- आर्द्रभूमि
- नदीमुख/ ज्वारनदमुख पारिस्थितिकी तंत्र
- नदीमुख पारिस्थितिकी तंत्र के लाभ
- मैंग्रोव
- मैंग्रोव का महत्व
- मैंग्रोव वनों और उनके आवासों के लिए खतरों में शामिल हैं?
- प्रवाल भित्तियाँ
- प्रवाल की विशेषताएं
- भित्तियों के निर्माण के लिए आदर्श परिस्थितियाँ
- भित्तियों के प्रकार
- प्रवाल भित्तियों का क्या महत्व है?
- प्रवाल भित्तियों के लिए खतरा
- प्रवाल विरंजन
- एज प्रभाव
- पर्यावास विखंडन
- अपशिष्ट प्रजाति (Ruderal)
- फेनोटाइप
- एपिजेनेटिक्स
- इकोटाइप
- एपिफाइट
- लिथोफाइट्स

जैव विविधता

- जैव विविधता के स्तर
- जैव विविधता का मापन

भारतीय जैव विविधता

- जैव विविधता संरक्षण
- बहु-विविध देश
- जीव-जंतु
- पुष्प विविधता

भारत की पादप विविधता

- मांसाहारी पादप (Carnivorous plants)
- आक्रामक विदेशी प्रजातियां (आईएस)
- भारत के औषधीय पौधे

समुद्री जीव

- फाइटोप्लांकटन
- जूप्लैंकटन
- समुद्री घास
- समुद्री शैवाल
- सीबकथॉर्न

भारत की जैव विविधता

- द रेड डेटा बुक
- संरक्षण प्राथमिकता का IUCN वर्गीकरण
- स्तनधारी - गंभीर रूप से लुप्तप्राय
- स्तनधारी – लुप्तप्राय
- स्तनधारी – सुभेद्य
- स्तनधारी – निकट संकटग्रस्त
- समुद्री स्तनपायी – लुप्तप्राय
- समुद्री स्तनधारी – सुभेद्य
- गंभीर रूप से लुप्तप्राय स्तनधारी
- गंभीर रूप से लुप्तप्राय सरीसृप
- गंभीर रूप से लुप्तप्राय मछलियां

संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क

- राष्ट्रीय उद्यान

- वन्य जीव अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान के बीच अंतर
- वन्यजीव अभयारण्य (डब्ल्यूएलएस)
- संरक्षण रिजर्व और सामुदायिक रिजर्व
- महत्वपूर्ण वन्यजीव पर्यावास
- आईयूसीएन श्रेणीकरण
- तटीय संरक्षित क्षेत्र या समुद्री संरक्षित क्षेत्र (एमपीए)
- भारत के पवित्र उपवन
- बायोस्फीयर रिजर्व (बीआर)
- एमएबी (मैन एंड बायोस्फीयर रिजर्व)
- बायोस्फीयर रिजर्व का विश्व नेटवर्क
- जैव विविधता हॉटस्पॉट
- भारतीय जैव विविधता हॉटस्पॉट
- भारत में प्राकृतिक विश्व धरोहर स्थल
- जैव विविधता विरासत स्थल (बीएचएस)
- उच्च जैव विविधता वाले जंगल क्षेत्र (HBWA)
- प्रमुख जैव विविधता क्षेत्र (केबीए)

संरक्षण के प्रयास

- परियोजना हाथी
- प्रोजेक्ट टाइगर
- एम-स्ट्रिप्स
- संरक्षण का आश्वासन (CA|TS)
- भारत में बाघ अभयारण्य
- भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना
- चीता पुनः परिचय कार्यक्रम
- गिद्ध
- परियोजना हिम तेंदुआ
- वन हॉर्न राइनो/ एक शृंगी गैंडे
- समुद्री कछुआ परियोजना
- प्रोजेक्ट हंगुल
- कैप्टिव प्रजनन
- गंगा डॉल्फिन

जलवायु परिवर्तन

- ग्लोबल वार्मिंग/ वैश्विक ऊष्मण
- जलवायु परिवर्तन का प्रभाव
- भारत में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव

- जलवायु परिवर्तन पर हाल के अद्यतन
- जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए उठाए गए कदम
- पेरिस समझौता
- तलानोआ डायलॉग
- भारत द्वारा जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए उठाए गए कदम
- जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी)
- भारत की राष्ट्रीय रेड+ रणनीति
- ग्लोबल डिमिंग
- ग्लोबल डिमिंग और ग्लोबल वार्मिंग
- भारत में ग्लोबल वार्मिंग को नियंत्रित करने के लिए उठाए गए कदम

ग्रीनहाउस प्रभाव

- ग्रीन हाउस गैसों
- ग्रीनहाउस गैसों को कम करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय तंत्र
- ग्लोबल वार्मिंग की संभाव्यता

ओजोन

- ओजोन परत के क्षरण के कारण
- ओजोन रिक्तीकरण का प्रभाव
- ओजोन परत के क्षरण को नियंत्रित करने के लिए किए गए प्रयास

अम्ल वर्षा

- अम्ल वर्षा के प्रभाव

महासागरीय अम्लीकरण

- महासागरीय अम्लीकरण का प्रभाव
- जियो-इंजीनियरिंग

प्रदूषण

- वायु प्रदूषण
- भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदम
- ध्वनि प्रदूषण
- ध्वनि प्रदूषण की सामाजिक और आर्थिक लागत
- मृदा प्रदूषण
- जल प्रदूषण

अधिनियम, नीतियां और निकाय-भारत

- वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972
- पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986
- राष्ट्रीय वन नीति 1988
- जैविक विविधता अधिनियम, 2002
- अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वनवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006
- तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड)
- आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम 2010
- राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी)
- जलवायु परिवर्तन पर भारत की राष्ट्रीय कार्य योजना
- जलवायु परिवर्तन आकलन पर भारतीय नेटवर्क
- जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम 1974 और संशोधन, 1988,
- वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम 1981 और संशोधन, 1987
- जेनेटिक इंजीनियरिंग अनुमोदन समिति (GEAC)
- राष्ट्रीय वन्यजीव कार्य योजना (एनडब्ल्यूएपी)
- राष्ट्रीय वनरोपण और पारिस्थितिकी-विकास बोर्ड (एनईबी)
- प्रतिपूरक वनरोपण निधि प्रबंधन और योजना प्राधिकरण (CAMPA) 57
- संयुक्त वन प्रबंधन (जेएफएम)
- सामाजिक वानिकी
- राष्ट्रीय बांस मिशन
- व्यापक पर्यावरण प्रदूषण सूचकांक (सीईपीआई)
- एक अरब लोगों के जीवन को रोशन करना (एलएबीएल)
- इकोमार्क
- शहरी सेवा पर्यावरण रेटिंग प्रणाली (USERS)
- जैव विविधता संरक्षण और ग्रामीण आजीविका सुधार परियोजना (बीसीआरएलआईपी)
- राष्ट्रीय स्वच्छ ऊर्जा कोष
- नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन प्लान 2020 (एनईएमएमपी)
- पर्यावरण शिक्षा, जागरूकता और प्रशिक्षण (ईईएटी) योजना
- राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान (एनईएसी)
- इको-क्लब (नेशनल ग्रीन कॉर्प्स)
- ग्लोब (पर्यावरण को लाभ पहुंचाने के लिए वैश्विक शिक्षा और अवलोकन)
- भविष्य के लिए मैग्नोव
- राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई)

भारतीय संगठन

- भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (AWBI)
- केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए)
- राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए)

- वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो
- राष्ट्रीय झील संरक्षण योजना (एनएलसीपी)
- राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण (एनजीआरबीए)
- वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया
- भारत वन राज्य रिपोर्ट (आईएसएफआर) 2017

विश्व पर्यावरण संगठन

- यूएनएफसीसीसी
- क्योटो प्रोटोकॉल - सीओपी-3 (केपी)
- बाली सम्मेलन
- सीओपी 15 कोपेनहेगन शिखर सम्मेलन
- सीओपी 16 कानकुन शिखर सम्मेलन
- हरित जलवायु कोष
- सीओपी 17 डरबन शिखर सम्मेलन
- दोहा परिणाम सीओपी 18, 2012
- पेरिस, सीओपी 21, 2015
- विशेष जलवायु परिवर्तन कोष
- आरईडीडी और आरईडीडी+
- वैश्विक पर्यावरण सुविधा (जीईएफ)
- जलवायु - स्मार्ट कृषि
- आईपीसीसी (जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल)
- राष्ट्रीय ग्रीन हाउस गैस सूची कार्यक्रम (एनजीजीआईपी)
- पारिस्थितिकीय अर्थव्यवस्था
- जलवायु संवेदनशील फोरम
- संवेदनशील 20 (V20)
- START- विश्लेषण, अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए वैश्विक परिवर्तन प्रणाली
- विश्व जलवायु अनुसंधान कार्यक्रम (डब्ल्यूसीआरपी)
- CLIVAR (जलवायु परिवर्तनशीलता और पूर्वानुमेयता)
- क्लाइमेट एक्शन नेटवर्क

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/ कन्वेंशन

- UNCED
- एजेंडा 21
- जैविक विविधता पर कन्वेंशन (सीबीडी)
- कार्टाजेना प्रोटोकॉल
- नागोया प्रोटोकॉल
- आइची जैव विविधता लक्ष्य

- सीओपी 11 हैदराबाद
- आर्द्रभूमि पर रामसर सम्मेलन
- मॉन्ट्रो रिकॉर्ड
- प्रकृति संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ
- बर्डलाइफ इंटरनेशनल
- वेटलैंड्स इंटरनेशनल
- भारत में रामसर साइटें
- CITES
- TRAFFIC - वन्यजीव व्यापार निगरानी नेटवर्क
- प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर कन्वेंशन (सीएमएस)
- वन्यजीव तस्करी के विरुद्ध गठबंधन (CAWT)
- अंतर्राष्ट्रीय उष्णकटिबंधीय इमारती लकड़ी संगठन (आईटीटीओ)
- वनों पर संयुक्त राष्ट्र फोरम (यूएनएफएफ)
- आईयूसीएन
- ग्लोबल टाइगर फोरम (जीटीएफ)
- पीओपी (स्थायी जैविक प्रदूषक) पर स्टॉकहोम कन्वेंशन
- बेसल कन्वेंशन
- रॉटरडैम कन्वेंशन
- यूएनसीसीडी
- अंतर्राष्ट्रीय व्हेलिंग आयोग (आईडब्ल्यूसी)
- UNCLOS
- SOLAS
- अंतरराष्ट्रीय समुद्र तल प्राधिकरण (आईएसए)
- वियना कन्वेंशन
- मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल
- किगाली समझौता
- विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणाली (जीआईएचएस)
- LEDS GP
- लंदन समझौता
- सतत विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन
- संयुक्त राष्ट्र सतत विकास शिखर सम्मेलन 2015
- वैश्विक वन्यजीव कार्यक्रम